

डॉ. एन. विनोदकुमार, आईपीओएस
अध्यक्ष

Dr. N. VINODKUMAR, IPoS
CHAIRMAN



प्रिय सदस्यगण,

संदेश

हिंदी दिवस कोई मात्र तिथि अथवा औपचारिक आयोजन नहीं है, अपितु यह हमारे लिए एक सतत संकल्प का स्मरण है — संकल्प इस बात का कि हम अपने समस्त प्रशासनिक एवं कार्यालयीन कार्यों को राजभाषा की गरिमा और उसकी संवैधानिक प्रतिष्ठा के अनुरूप ढालें, तथा हिंदी को संवाद, प्रशासन और सृजनात्मक अभिव्यक्ति के केंद्र में स्थापित करें।

हम सब भली-भाँति जानते हैं कि राजभाषा का सफल क्रियान्वयन तभी संभव है जब यह हमारे कार्यालयीन जीवन का स्वाभाविक अंग बन जाए। इस दिशा में, नराकास सदस्य कार्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपका सक्रिय सहयोग ही हिंदी को प्रशासनिक तंत्र में सशक्त और प्राणवान बनाता है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि हिंदी केवल आधिकारिक भाषा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का वाहक और राष्ट्र की पहचान का सशक्त प्रतीक है। यह वह सूत्र है जो विविधता में एकता को वास्तविक रूप से जीने का अवसर देता है।

अतः मैं सभी सदस्य कार्यालयों से अपेक्षा करता हूँ कि वे राजभाषा संबंधी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करें, लक्ष्यों की प्राप्ति को आत्मीयता और गंभीरता से लें, तथा अपने कार्यों के माध्यम से अन्य कार्यालयों के लिए भी आदर्श प्रस्तुत करें।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि नराकास, दक्षिण गोवा, राजभाषा कार्यान्वयन में न केवल लक्ष्यों को प्राप्त करें, बल्कि गुणवत्ता, नवाचार और प्रतिबद्धता के आधार पर एक विशिष्ट पहचान बनाएं।

आपका सतत प्रयास ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर हिंदी को राष्ट्र की कार्य शक्ति के रूप में और अधिक प्रभावी रूप से स्थापित कर पाएंगे।

आपके सहयोग और सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा के साथ।

— विनोद कुमार
(डॉ. एन. विनोदकुमार, आईपीओएस)

दिनांक : सितंबर, 2025